तप करत उमा जी आज ... मोरे अंगना मा आए भोलेनाथ

भोजपुर मंदिर परिसर में आयोजन, तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव का दूसरा दिन

भोपाल/मंडीदीप, 16 फरवरी. मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन-रायसेन के सहयोग से ऐतिहासिक एवं प्राचीन स्थल भोजपुर के मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर तीन दिवसीय ''महादेव'' भोजपुर महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है.

इस महोत्सव के दूसरे दिवस भी नृत्य, संगीत एवं लोक परम्पराओं की सौंदर्यपूर्ण छटा बिखरी. इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रोता एवं दर्शक उपस्थित रहे. कलाकारों का स्वागत उप संचालक संस्कृति डॉ.पूजा शुक्ला एवं भोजपुर मंदिर के महंत पवन गिरी महाराज ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया. दूसरे दिवस की पहली प्रस्तुति बघेली लोकगायन की रही. सुश्री शीला त्रिपाठी एवं साथी, भोपाल द्वारा सुमधुर आवाज में बघेलखंड की परम्पराओं में भगवान शिव की महिमा का गायन किया. उन्होंने अपने गायन की प्रारम्भ गौरी गणेश मनाऊं.... गीत के साथ किया. इसके बाद तप करत उमा जी आज.... मोरे अंगना मा आये भोलेनाथ...., चली भोले की बरतिया हिमांचल नगरी.... एवं गउरा का ब्याहन आये महादेव.... गीतों से महाशिवरात्रि की अलौकिकता और दिव्यता की धारा प्रवाहित कर दी.

श्रोताओं ने आनन्द में डूबकर इन गीतों का रसपान किया. अंत में उन्होंने भोला मॉगय गवनवा होली मा.... के साथ प्रस्तुति को विराम दिया.

अगली प्रस्तुति शिव केन्द्रित नृत्यनाटिका की रही. जिस आकृति जैन एवं साथी, भोपाल द्वारा प्रस्तुत किया गया. उन्होंने कथक शैली में नृत्यनाटिका की प्रस्तुति दी. रूपक ताल में अर्धनारीश्वर कथा को दर्शाया. इसके बाद शिवोहम के माध्यम से भगवान शिव के स्वरूप को दर्शाया.

श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

प्रस्तुति ने अद्वैत वेदांत की उस भावना को दर्शाया जिसमें आत्मा और परमात्मा को एक माना जाता है. इसके बाद शिव और सती प्रसंग, दक्ष प्रसंग, शिव पार्वती विवाह एवं शिव तांडव स्तोत्रम के साथ प्रस्तुति को विराम दिया. सुश्री आकृति जैन के साथ आठ नृत्यांगनाओं ने प्रस्तुति दी. दूसरे दिवस की अंतिम प्रस्तुति सुविख्यात गायिका सुश्री महालक्ष्मी अय्यर एवं साथी, मुम्बई की सुगम संगीत की रही. उन्होंनें शिव-स्तुति एवं लोकप्रिय रचनाओं की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया.उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत शिव कैलाशों के वासी.... गीत से करते हुए परिसर को शिवमय कर दिया. इसके बाद नमो नमो शंकरा...., शिव तांडव स्त्रोतम्.... एवं बम लहरी....गाते हुए श्रोताओं को भक्तिमय आनंद में भिगो दिया. इसके बाद उन्होंने अपने लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति दी.

उत्पीड़न के विरुद्ध सजग रहें : सुषमा शर्मा

▶ एलएनसीटी में जागरुकता कार्यशाला का आयोजन

नवभारत प्रतिनिधि,
भोपाल, 16 फरवरी. सुरक्षित और गरिमामय शैक्षणिक परिसर केवल नियमों से नहीं बल्कि सामूहिक संवेदनशीलता से बनता है. यह विचार नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी की वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रोफेसर सुषमा शर्मा ने एलएनसीटी विश्वविद्यालय में आयोजित लैंगिक संवेदनशीलता एवं कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न निवारण जागरूकता कार्यशाला में व्यक्त किए.

उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में लैंगिक समानता सुनिश्चित करना और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम 2013 का प्रभावी रूप से लागू करना सभी की जिम्मेदारी

है. सोमवार को एलएनसीटी विश्वविद्यालय में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ और आंतरिक शिकायत समिति द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में यह कार्यशाला आयोजित की गई. शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि सुरक्षित परिसर संवेदनशील व्यवहार और जागरूक तंत्र से निर्मित होता है.

उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों से अपील की कि वे शून्य सहनशीलता की भावना को अपनाएं और किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के विरुद्ध सजग रहें. इसके बाद संवाद सत्र में प्रतिभागियों ने अधिनियम की धाराओं पर विस्तार से चर्चा की.

> कार्यशाला में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों सहित कुल 175 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की. कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने समानता और गरिमा के सिद्धांतों का पालन करने और सुरक्षित, समावेशी, शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने की शपथ ली. साथ ही महिला सशक्तिकरण विभाग और आंतरिक शिकायत समिति ने विश्वविद्यालय प्रबंधन के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए परिसर को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई.

साहित्य और राष्ट्र चेतना का संगम कार्यक्रम कल

भोपाल, 16 फरवरी. अखिल भारतीय साहित्य परिषद भोपाल इकाई के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 18 फरवरी को विशेष व्याख्यान और काव्यपाठ कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है. कार्यक्रम दोपहर साढ़े 3 बजे विश्व संवाद केंद्र, शिवाजी नगर में होगा. मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भोपाल विभाग कार्यवाह राधेश्याम मालवीय उपस्थित रहेंगे. विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ ओज कवि नंदन मोहन समर और सारस्वत अतिथि के रूप में वरिष्ठ गीतकार दिनेश प्रभात मौजूद रहेंगे.अध्यक्षता डॉ. नम्रता मेहंदी करेंगी. कार्यक्रम में चयनित रचनाकारों द्वारा काव्यपाठ भी किया जाएगा जिनमें प्रेमचंद गुप्ता, गोपेश बाजपेयी, ममता बाजपेयी, पंकज पराग, विनेश दुबे, अंशु वर्मा आदि हैं.

जागरुकता से होगी बाल कैंसर की हार

संवाद कार्यक्रम

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 16 फरवरी. अंतरराष्ट्रीय बाल कैंसर दिवस के अवसर पर एम्स भोपाल में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन कर बाल कैंसर की समय पर पहचान और उपचार के महत्व पर जोर दिया गया.

इस मौके पर जागरूकता रैली, शैक्षणिक सत्र और समुदाय स्तर पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए. जिसका उद्देश्य समाज में बाल कैंसर को लेकर फैली भ्रांतियां को दूर करना और शुरुआती संकेतों की पहचान को समझाना रहा. एम्स भोपाल के विशेषज्ञों के अनुसार यदि बीमारी का प्रारंभिक चरण में पता चल जाए तो उपचार के परिणाम बेहतर हो सकते हैं. इस कार्यक्रम में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए प्रशिक्षण और प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई. साथ ही शीघ्र रेफरल और समुचित प्रबंधन की जानकारी दी गई. कार्यक्रम में परामर्श सेवाओं, पोषण सहायता और नियमित अनुवर्ती देखभाल की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया.

क्या है बाल कैंसर

विशेषज्ञों के अनुसार बाल कैंसर वह स्थिति है जब शरीर की कुछ कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं और सामान्य कार्यप्रणाली को प्रभावित करती हैं. इसके लक्षणों में लगातार बुखार रहना, बिना कारण वजन घटना, शरीर पर असामान्य सूजन या गांठ, अत्यधिक थकान, बार बार संक्रमण होना, हड्डियों या जोड़ों में दर्द और आंखों या त्वचा का पीला पड़ना जैसे लक्षण शामिल हैं.

कैसे बचाव और क्या रखें ध्यान: एम्स डॉक्टरों के अनुसार बच्चे में लंबे समय तक असामान्य लक्षण दिखें तो तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लें. नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं. संतुलित आहार और स्वच्छ जीवनशैली अपनाएं साथ ही तंबाकू धुएं और हानिकारक रसायनों से बच्चों को दूर रखें.

समाजसेवा में योगदान करने वालों का सम्मान

भोपाल, 16 फरवरी, महाशिवरात्रि पर श्री प्राचीन शिव मंदिर समिति के तत्वावधान में समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाली संस्थाओं एवं व्यक्तियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया. इस अवसर पर मां आशापुरा दरबार, करूणा धाम आश्रम, मां चामुंडा दरबार एवं परमार्थ ट्रस्ट, भोपाल उत्सव मेला समिति, प्रेरणा सेवा ट्रस्ट, जन संवेदना समिति, सेवा भारती मां अन्नपूर्णा भोजन सेवा केंद्र, सेवा सदन संत हिरदाराम नगर, मानव सेवा एवं कल्याण समिति, पंडित भंवरलाल शर्मा, महंत कन्हैया दास त्यागी, महंत अनिलानन्द जी, प्रमोद नेमा, पंडित चंद्रशेखर तिवारी, भानू हिन्दू जय मां भवानी संगठन, मनोज राठौर पार्षद , देवेंद्र भार्गव पार्षद, शैलेश साहू पार्षद को सम्मानित किया गया.

एक नजर में

आलोक चटर्जी की स्मृति में नाट्य महोत्सव 21 से

भोपाल, 16 फरवरी. राजधानी में रंगमंच की जीवंत परंपरा को समर्पित आहान शिक्षा संस्कृति एवं समाज कल्याण समिति द्वारा रंगश्री लिटिल बैले में तीन दिवसीय नाट्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. जिसका मंचन 21 से 23 फरवरी तक किया जायेगा. आयोजन स्वर्गीय रंगकर्मी आलोक चटर्जी की स्मृति में उनके योगदान को याद करते हुए, नई पीढ़ी को रंगमंच की संवेदनशील विरासत से जोड़ने का प्रयास है. महोत्सव के पहले दिन स्वर्गीय आलोक चटर्जी अभिनीत मोनोलॉग रेड फ्रॉक की स्क्रीनिंग की जाएगी. इसके बाद रंगमंच में आलोक और नाटक रेड फ्रॉक विषय पर जिज्ञासु रंगप्रेमियों और गुणीजनों के साथ आशीष पाठक संवाद और विचार साझा करेंगे. वहीं दूसरे दिन रंगमंच की विविधता और साहित्यिक गहराई से सजे नाटक में कथा सागर शीर्षक से तीन लघु नाट्य की प्रस्तुतियां दी जाएंगी. इसके बाद वरिष्ठ रंगकर्मी बालेंद्र सिंह अभिनीत और आशीष पाठक के लेखन और निर्देशन में नाटक पॉपकॉर्न का मंचन किया जाएगा. महोत्सव के अंतिम दिन शोभा चटर्जी के निर्देशन में मानव कौल द्वारा लिखित नाटक त्रासदी का मंचन होगा. यह प्रस्तुति मानवीय रिश्तों और आंतरिक संघर्षों की मार्मिक पड़ताल करती है. आयोजकों के अनुसार सभी नाटक प्रतिदिन शाम 7 बजे से प्रारंभ होंगे और प्रवेश निशुल्क रहेगा.

एम.डी. अग्निहोत्री का निधन, देहदान

भोपाल. सेवानिवृत चीफ टिकट इंस्पेक्टर एम. डी. अग्निहोत्री का निधन हो गया. स्वर्गीय अग्निहोत्री ने चिकित्सा शिक्षा एवं छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए अपने जीवनकाल में ही देहदान का संकल्प लिया था। उनकी पत्नी पदमा अग्निहोत्री एवं परिवार द्वारा इस संकल्प का सम्मान करते हुए जे. के. हॉस्पिटल को देहदान किया. समाज उनके इस महान एवं परोपकारी कार्य को सदैव स्मरण रखेगा और उनसे प्रेरणा लेता रहेगा.

सीएम डॉ. मोहन यादव ने किया शुभारंभ

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के बंसल प्लाजा में होटल हयात पैलेस का शुभारंभ किया.

श्री पिपलेश्वर महादेव मंदिर में भंडारे का किया आयोजन

भोपाल, 16 फरवरी. श्री पिपलेश्वर महादेव मंदिर आशाराम नगर, कटारा हिल्स में शिवरात्रि महोत्सव का समापन हो गया. तीन दिवसीय महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए.

महोत्सव की शुरुआत 13 फरवरी को हल्दी तथा 14 फरवरी को मेंहदी समारोह के साथ हुई, . कार्यक्रमों में पारंपरिक रस्मों के साथ भक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया. महाशिवरात्रि पर प्रात: भगवान शिव का विधिवत रुद्राभिषेक एवं पूजन हुआ. इसके बाद भव्य शिव बारात एवं चल समारोह मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर कॉलोनी के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर परिसर में ही संपन्न हुआ. शिव-पार्वती की आकर्षक झांकियों, ढोल-ताशों, मंजीरों, डीजे, फूलों की वर्षा और आतिशबाजी ने पूरे क्षेत्र को शिवमय कर दिया.

आयोजन में देवाधिदेव महादेव और जगत जननी माता पार्वती के प्रतीकात्मक विवाह का भावपूर्ण चित्रण किया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने भक्ति और आस्था के साथ देखा. सायंकाल श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी भंडारे का आयोजन किया गया.

कम शब्दों की गूंज बना लघुकथा महोत्सव

▶ 50 लघु कथाकरों ने किया हिंदी भवन में रचना पाठ

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 16 फरवरी. लघुकथा आकार में छोटी लेकिन प्रभाव में बड़ी विधा है और यही उसकी असली शक्ति है. यह बातें डॉ. विकास दवे ने सोमवार को हिंदी भवन में आयोजित लघुकथा महोत्सव के दौरान कही. उनके द्वारा कहे गए शब्दों ने सभागार में उपस्थित सभी रचनाकारों और श्रोताओं को गहराई से प्रभावित किया.

हिंदी भवन के महादेवी वर्मा कक्ष में आयोजित इस साहित्यिक आयोजन में प्रदेश के कई लघुकथाकारों ने अपनी भागीदारी दी. वहीं कार्यक्रम का आयोजन साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के तत्वावधान में संपन्न हुआ. महोत्सव में डॉ. विकास दवे ने कहा कि लघुकथा की लोकप्रियता और उसके छोटे आकार पर बात करते हुए कहा कि बदलते समय में लोगों में संक्षिप्त और भावपूर्ण लेखन पढ़ने की आवश्यकता बढ़ रही है. वहीं कांता रॉय ने इसे मध्यप्रदेश के लिए महत्वपूर्ण अवसर बताया और कहा कि नए रचनाकार गंभीरता से रचनाओं का सृजन कर रहे हैं. उन्होंने रचनाकारों से अधिक अध्ययन और सतत लेखन की आवश्यकता पर बल दिया. कार्यक्रम में शामिल डॉ. रामवल्लभ आचार्य और कुमार सुरेश ने भी लघुकथा की संभावनाओं को रेखांकित करते हुए इसे समय की सशक्त विधा बताया. महोत्सव में लगभग 50 लघुकथाकारों ने विविध विषयों पर आधारित अपनी रचनाओं का पाठ किया.

जीवन का संदेश... ▶ 44वीं वर्षगांठ पर नाटक कैक्टस फ्लॉवर का मंचन

भारत भवन में कांटों के बीच खिला रंगमंच का फूल

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 16 फरवरी. रंगमंच मनोरंजन के साथ आत्ममंथन का माध्यम भी है, यह बात तब सिद्ध हो गई जब भारत भवन की 44 वीं वर्षगांठ पर नाटक कैक्टस फ्लॉवर का मंचन किया गया.

कांटों से भरे गमले के बीच जब मंच पर संवाद गूंजा कि जीवन कैक्टस है पर उसमें भी फूल खिलते हैं, तो अंतरंग सभागार तालियों से भर उठा. सोमवार की शाम प्रस्तुत नाटक कैक्ट्स फ्लॉवर ने हास्य और व्यंग्य के सहारे रिश्तों की सच्चाई को दर्शकों के सामने रख दिया. प्रसिद्ध अंग्रेजी नाटककार येब बरोस की कृति पर आधारित इस नाट्य प्रस्तुति का रूपांतरण प्रवीण महुवाले ने किया और निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी राजीव वर्मा का रहा. जिसका मंचन भोपाल थिएटर समूह के कलाकारों ने किया. निर्देशक राजीव वर्मा ने कहा कि यह नाटक हल्के हास्य के भीतर गहरे जीवन संदेश को छिपाए हुए है.

दिल फेंक जीवन से आत्मबोध तक: कथा एक ऐसे चिकित्सक के इर्दगिर्द घूमती है जो प्रेम को खेल की तरह लेता है. रिश्ते उसके लिए जिम्मेदारी नहीं बल्कि क्षणिक आकर्षण हैं. घटनाक्रम आगे बढ़ता है तो उसके ही रचे भ्रमजाल से सच्चाई बाहर आती है. वहीं दूसरे तरफ एक विवाहित अधिकारी का संतुलित जीवन भी सामने दिखता है. दोनों मित्रों की सोच का अंतर संवादों के माध्यम से तीखे, लेकिन रोचक अंदाज में उभरते हैं. अंत में आत्मबोध की प्रक्रिया डॉक्टर को स्थायित्व की राह पर ले जाती है. नाटक मंचन की सज्जा और प्रभावी प्रकाश संयोजन से पात्रों की मन:स्थितियों को बखूबी रेखांकित किया गया. जिससे दर्शकों पर भावों को गहरी छाप छूटी. नाटक में रीता वर्मा, प्रवीण महुवाले, महुआ चटर्जी, सुनील सक्सेना और राजीव वर्मा के अभिनय में स्वाभाविकता और संतुलन ऐसा दिखा कि हास्य दृश्यों में सटीक समयबोध और भावुक प्रसंगों में संवेदना की गरिमा के संयोजन ने दर्शकों को एक टक बिठाए रखा.

उत्पादों की दीं प्रभावशाली प्रस्तुतियां

बीएचईएल में आपूर्तिकर्ता सम्मेलन आयोजित

बीएचईएल संवाददाता
भोपाल, 16 फरवरी. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल), भोपाल के एससीआर विभाग द्वारा आयोजित आपूर्तिकर्ता सम्मेलन 'समन्वय-2026' का शुभारंभ महाप्रबंधक (एससीआर) हेमराम पटेल ने दीप प्रज्वलित कर किया। यह आयोजन संस्था और उसके आपूर्तिकर्ताओं के बीच समन्वय एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) आनंद असाटी, अपर महाप्रबंधक (सीएमएम) पी. के. झा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे. सम्मेलन में आमंत्रित आपूर्तिकर्ताओं ने अपने उत्पादों और क्षमताओं पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं. कंपनी की ओर से अश्विनी कुमार, अलंकार त्रिपाठी, मीनाक्षी सिंह, महेंद्र कुमार महावर, राकेश कुमार तथा राहुल गुप्ता ने एससीआर की आवश्यकताओं, आपूर्तिकर्ता पंजीकरण प्रक्रिया और सामग्री प्रबंधन प्रणाली पर जानकारी दी. कार्यक्रम का संचालन रागिनी प्रसाद प्रजापति और रणजीत बराल ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन शिल्पी सिंह ने प्रस्तुत किया.